B Ed 2nd year — 29/04/2020 Wednesday

समावेशी शिक्षा इकाई 03

टोली शिक्षण / दल शिक्षण

"Team-Teaching"

इस प्रविधि का विकास सर्वप्रथम सन् [illegible] में 'हार्वर्ड विश्वविद्यालय' में हुआ। इसके बाद सन् 1960 में ब्रिटेन में 'इसका विकास' जे. फ्रीमैन ने किया। 'शिकागो विश्वविद्यालय' के 'प्रोफेसर जैक' ने टोली शिक्षण का प्रभावशाली प्रयोग शिक्षण के लिए किया।

"दल शिक्षण एक प्रकार का अनुदेशात्मक संगठन का वह प्रकार है, जिसमें शिक्षण प्रदान करने वाले व्यक्तियों को कुछ छात्र सुपुर्द कर दिए जाते हैं। शिक्षण प्रदान करने वालों की संख्या दो या उससे अधिक होती है, जिन्हें शिक्षण का दायित्व सौंपा जाता है, तथा वे एक छात्र-समूह को सम्पूर्ण विषय-वस्तु या उसके किसी महत्वपूर्ण अंग का एक साथ शिक्षण कराते हैं।" — शैपलिन व ओल्ड्स

टोली शिक्षण की विशेषताएँ

शैपलिन / ओल्ड्स के अनुसार —

1. एक संगठन जो पूरी तरह औपचारिक।
2. शिक्षक द्वारा दल को सामूहिक उत्तरदायित्व प्रदान करना।
3. सम्पूर्ण विद्यालय व्यवस्था के साथ समन्वय।
4. अनुदेशन पूर्व-नियोजित व व्यवस्थित।
5. छात्रों को कक्षाध्यापक द्वारा अनुदेशन प्रदान करना।
6. कुछ विशेषज्ञों की सहमति व सहयोग लेना।
7. अध्यापकों व कर्मचारियों की स्थिति पहले ही निश्चित करना।

टोली शिक्षण के उद्देश्य

1. कक्षा को प्रभावी शिक्षण प्रदान करना।
2. शैक्षिक अनुदेशन में गुणात्मक विकास करना।
3. कक्षा को विशिष्टीकृत शिक्षण प्रदान करना।
4. कक्षानुशासन बनाये रखना।
5. शिक्षण, अनुदेशन में लोच लाना।

Scanned with CamScanner

दल-शिक्षण / टोली शिक्षण की आवश्यकता ↓

(1) छात्र संख्या में वृद्धि।
(2) पाठ्यक्रम में परिवर्तन।
(3) विज्ञान में प्रगति।
(4) ज्ञान में वृद्धि।
(5) शिक्षकों का अभाव।
(6) व्यक्तिगत विभिन्नताओं की स्वीकृति।
(7) नवीन शिक्षण योजनाओं का विकास।
(8) शिक्षा तकनीकी का विकास।

टोली-शिक्षण के सिद्धान्त

(1) अनुदेशन स्तर
(2) समय-अवधि
(3) कक्षा आकार
(4) निरीक्षण।
(5) शिक्षकों की उपयुक्त अन्तःशक्ति।
(6) अधिगम वातावरण।

टोली-शिक्षण के सोपान

(1) योजना ↓
1- उद्देश्यों का निर्धारण।
2- व्यावहारिक शब्दावली में लिखना।
3- विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान का अनुमान लगाना
4- प्रकरण के विषय में निर्णय लेना।
5- अनुदेशन स्तर का निर्धारण।
(6)- अधिगम वातावरण तैयार करना।

(2) व्यवस्था ↓
(1) अनुदेशन स्तर निर्धारण।
(2) सम्प्रेषण विधि का चयन।
(3) शिक्षक, व्याख्यान के प्रमुख बिन्दु नोट करना।

(3) मूल्यांकन ↓
(1) उद्देश्य प्राप्ति का निर्धारण
(2) योजना/व्यवस्था में सुधार।
(3) कठिनाईयों का निदान
(4) शिक्षकों/विद्यार्थियों में पुनर्बलन।

टोली शिक्षण से लाभ ↓

(1) अनुदेशन की गुणवत्ता में सुधार।
(2) समय/शक्ति की बचत।
(3) मानव सम्बन्धों के विकास का अवसर।
(4) प्रभावशाली/गुणात्मक शिक्षण प्रदान।
(5) अनुशासन स्थापित करने में सहायता मिलना।
(6) समस्याओं का अन्त।

टोली शिक्षण की सीमाएँ

1-> शोधकार्य का अभाव।
2 -> लचीलेपन का अभाव।
3-> शिक्षण के अवसर प्राप्त नहीं।
(4) अत्यन्त खर्चीली विधि।
(5) शिक्षण में कठिनाईयां उत्पन्न।
(6) रुचि से अलग हटकर कार्य

Scanned with CamScanner

सुझाव Suggestions

(1) पर्याप्त व्यवस्था।

(2) समस्या का निर्धारण।

(3) दल का गठन।

(4) व्यवस्थित नियोजन।

(5) निरीक्षण की व्यवस्था।

B.R.C. Deoband
Assis Pro - Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner